भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 741 का उत्तर

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल

741. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्री नरेश गणपत म्हस्के:
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्रीमती भारती पारधी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनवरी 2026 की स्थिति के अनुसार, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर के महाराष्ट्र खंड के संबंध में प्राप्त की गई वास्तविक और वित्तीय प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) भूमिगत स्टेशन और ठाणे की ओर समुद्र के नीचे सुरंग निर्माण के संबंध में सिविल कार्यों की विशिष्ट स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ग) पालघर और ठाणे जिलों में परियोजना से प्रभावित हुए व्यक्तियों को दिए गए मुआवजे का ब्यौरा क्या है और उनके लिए क्या पुनर्वास उपाय किए गए हैं;

(घ) कार्य निष्पादन की त्वरित गति को ध्यान में रखते हुए, वापी-विरार-बीकेसी खंड पर रेल को प्रायोगिक आधार पर आरंभ करने की समय-सीमा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा बुलेट ट्रेन स्टेशनों का मौजूदा मुंबई उपनगरीय रेलवे नेटवर्क और आगामी मेट्रो लाइनों के साथ निर्बाध बहु-मॉडल एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (508 कि.मी.) एकमात्र हाई स्पीड रेल परियोजना है, जिसे जापान सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से निष्पादित किया जा रहा है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र तथा केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर

रही है और इसके 12 स्टेशन मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में बनाए जाने की योजना है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। सभी सांविधिक क्लीयरेंस प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 जनोपयोगी सुविधाओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित रही। महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया 2022 में तेजी से शुरू हुई।

विभिन्न महत्वपूर्ण मदों की अब तक की प्रगति निम्नानुसार है:

गुजरात:

मद	प्रगति
नींव	352 कि.मी.
खम्भे	352 कि.मी.
गर्डर कास्टिंग	342 कि.मी.
गर्डर लॉन्चिंग	331 कि.मी.
रेलपथ तल निर्माण	152 कि.मी.
ओएचई मास्ट निर्माण	121 कि.मी.

महाराष्ट्र:

मद	प्रगति
नींव	74 कि.मी.
खम्भे	65 कि.मी.
गर्डर कास्टिंग	9 कि.मी.
गर्डर लॉन्चिंग	3 कि.मी.

कुल 12 स्टेशनों में से, 8 स्टेशनों (वापी, बीलीमोरा, सूरत, भरुच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) पर नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है। महाराष्ट्र खंड में, 3 स्टेशनों (ठाणे, विरार, बोईसर) पर नींव का कार्य प्रगति पर है और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन पर खुदाई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और बेस स्लैब की ढलाई का कार्य शुरू कर दिया गया है।

17 नदी पुलों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। गुजरात में 4 बड़े नदी पुलों (नर्मदा, माही, ताप्ती और साबरमती) पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और महाराष्ट्र में 4 नदी पुलों का कार्य प्रगति पर है। डिपो (ठाणे, सूरत और साबरमती) पर कार्य जोरों से चल रहा है।

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में सिविल कार्य संतोषजनक प्रगति पर हैं। खुदाई का कार्य लगभग 91% पूरा किया जा चुका है और कंक्रीटिंग के कार्य विभिन्न चरणों में हैं, जिसमें स्तर-4 पर बेसमेंट स्लैब का कार्य 100% पूरा हो चुका है। समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य

शुरू हो गया है, इसमें से, महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

पालघर और ठाणे जिलों में परियोजना से प्रभावित व्यक्तियों को भूमि अधिग्रहण अधिनियम और अनुमोदित पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति के प्रावधानों के अनुसार मुआवजा प्रदान किया गया है। ठाणे जिले में, भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लिए लगभग 948 करोड़ रूपए का मुआवजा पहले ही भुगतान किया जा चुका है, जबकि शेष राशि भुगतान प्रक्रियाधीन है। पालघर जिले में, भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लिए लगभग 2,235 करोड़ रूपए का मुआवजा प्रदान किया गया है, जिसमें जहाँ लागू हो, प्रत्यक्ष खरीद तंत्र के माध्यम से किए गए भुगतान भी शामिल हैं।

सरकार ने यात्रियों की निर्बाध संपर्कता सुनिश्चित करने के लिए, बुलेट ट्रेन स्टेशनों का मौजूदा मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क और आगामी मैट्रो लाइनों के साथ बहु-मॉडल का एकीकरण करने की योजना बनाई है। इस एकीकरण में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन पर सुविधाजनक पैदल मार्ग के माध्यम से मेट्रो लाइन-2बी और मेट्रो लाइन-3 के साथ यात्री संपर्कता भी शामिल है।

बुलेट ट्रेन परियोजना एक अत्यंत जटिल और प्रौद्योगिकी प्रधान परियोजना है। परियोजना के पूरा होने की सटीक समय-सीमा व लागत का अनुमान सिविल संरचनाओं, रेलपथ, विद्युत, सिगनल व्यवस्था एवं दूरसंचार तथा ट्रेनसेट की आपूर्ति से जुड़े सभी संबंधित कार्यों के पूरा होने के पश्चात् ही लगाया जा सकता है।

****